सांध्य दैनिक
4PM

दुनिया में कोई भी चीज कभी भी पूरी तरह से गलत नहीं होती। यहां तक की रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही होती है।
-पाओलो कोएलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 297 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 5 दिसम्बर, 2024

कल सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा... 7 | अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई, विपक्ष के... 3 | भ्रष्टाचार के लिए भाजपा बनाती... 2

संसद से सड़क तक राहुल गांधी का सरकार पर प्रहार

संभल, किसान आंदोलन समेत कई मुद्दों पर पीएम मोदी को घेरा

» भाजपा ने भी नेता प्रतिपक्ष पर किया पलटवार
» विपक्षी दलों ने संसद के बाहर दिया धरना प्रदर्शन
» शीतकालीन सत्र के 9वें दिन भी हंगामा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के नौवें दिन भी हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने एकबार फिर एनडीए सरकार को संसद से लेकर सड़क तक संभल व किसान के मुद्दे पर घेरा है। संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा और नारेबाजी देखी गई है। लोकसभा और राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में तकरार बनी हुई है। हालांकि, बीते दो दिनों से सदनों की कार्यवाही चल रही है। संभल हिंसा को लेकर एक सांसद की टिप्पणी से लोकसभा में हंगामा हो गया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

वहीं राज्यसभा की कार्यवाही जारी है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी जी अडानी का जांच नहीं करा सकते क्योंकि वह अगर जांच कराएंगे तो वह अपनी ही जांच कराएंगे। पीएम मोदी और अडानी एक है ये दो नहीं है। वहीं भाजपा ने भी कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल पर पलटवार करते हुए उन्हें अगर उनको धरना प्रदर्शन करना है तो वह राजघट जाएं। वहीं कई नए बिल संसद में पेश किए गए, तो कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, लोकसभा में 100 साल पुराने बॉयलर एक्ट को बदलने के लिए विधेयक को मंजूरी मिली। अडानी मामले पर विपक्षी सांसदों के विरोध पर भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा,वे हरियाणा हार गए हैं, महाराष्ट्र में उनकी ऐतिहासिक हार हुई है, आने वाले दिनों में वे हर जगह हारेंगे। इसलिए, उनकी हार का दर्द इस बात में झलक रहा है। उन्होंने सपा और टीएमसी के विरोध प्रदर्शन से दूर रहने पर कहा, हर कोई बिखर रहा है, कल राहुल गांधी बिना बताए (संभल के लिए) चले गए, अखिलेश यादव को यहीं रुकने के लिए कहा गया और वे खुद संभल के लिए निकल गए, अब अखिलेश यादव को भी उनकी मानसिकता का पता चल गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए संसद पहुंचीं।

देश में हो रहे बड़े-बड़े भ्रष्टाचार : वेणुगोपाल

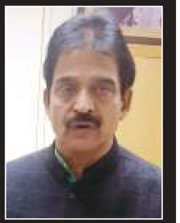

कांग्रेस सांसद और महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि अडानी मामले में, इस देश में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है और सरकार इस पर चर्चा करने के लिए तैयार है, वे अडानी का नाम सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। हम देश को बताना चाहते हैं कि यह सबसे बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है, लेकिन सदन इसपर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और मणिकम टैगोर ने हिंसा प्रभावित संभल का दौरा करने जा रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोके जाने के मुद्दे पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया।कांग्रेस सांसद विजय वसंत ने कन्याकुमारी के मछुआरों के सामने आने वाले जरूरी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया।

भाजपा का राहुल गांधी पर बड़ा हमला

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने एक बार फिर कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बड़ा हमला बोला। उन्होंने एक खतरनाक त्रिकोण का जिक्र करते हुए राहुल को देशद्रोही तक कह डाला। दरअसल, उन्होंने एक फ्रेंच समाचार पत्र में छपी रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हम आज एक खतरनाक त्रिकोण के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है और ऐसे मैं कह सकता हूं कि राहुल देश के सबसे बड़े गद्दार हैं।पात्रा ने कहा, अगर सदन को छोड़कर सांसद पार्टी कार्यालय में बैठे हैं तो आप गंभीरता को समझ सकते हैं। यह मुद्दा किसी पार्टी का नहीं है, बल्कि देश के संभुप्रता का और एकता का है। हाल ही में खुलासा हुआ कि कुछ ताकतें हैं, जो देश को तोड़ना चाहती हैं। कहीं न कहीं भारत की एकता और संभुप्रता के साथ खिलवाड़ करना चाहती हैं। दो दिसंबर को एक फेंच अखबार ने इसका खुलासा किया है।

स्लोगन लिखी जैकेट पहनकर विरोध करने पहुंचे राहुल-प्रियंका

पिछले कुछ दिनों से सड़क से लेकर संसद तक अडानी से जुड़ा मुद्दा सुर्खियों में है। इसे लेकर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। संसद में विपक्षी दलों के नेता लगातार अडानी मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और जांच की मांग की जा रही है। आज एक बार फिर विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी सहित विपक्ष के अन्य नेता शामिल हुए। सभी ने जैकेट पहन रखी थी। इस पर लिखा था अडानी और मोदी एक हैं। विपक्ष अरबपति के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहा है, जिन्हें अमेरिकी अभियोजकों ने रिश्वत धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी सहित विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष स्पेशल जैकेट पहने नजर आए, जिस पर पीछे की तरफ लिखा है, मोदी अडानी एक है, अडानी सेफ है। जहां एक तरफ विरोध करने वाले सांसद जैकेट पहने नजर आए, तो वहीं राहुल गांधी अलग ही अंदाज में नजर आए। राहुल हमेशा की तरह सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे, लेकिन टी-शर्ट के पीछे की तरफ वही स्लोगन लिखा नजर आया, जो अन्य नेताओं की जैकेट पर लिखा था।

राजघाट जाएं राहुल : गिरिराज

अडानी मामले पर विपक्षी सांसदों के विरोध पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि .बेहतर होता कि जो लोग खुद को विपक्ष का नेता कहते हैं, वे राम जन्मभूमि मंदिर की परिक्रमा करते. जो लोग यहां राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं, बेहतर होता कि वे राजघाट जाकर बैठते। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, राहुल गांधी संविधान की किताब हाथ में लेकर संविधान तोड़ने की बात कर रहे थे. उनका काम वहां (संभल) जाना नहीं था, दरअसल उन्हें अपना फोटो सेशन पूरा करना था, उनकी हमदर्दी संभल या वहां के लोगों से नहीं है, उनकी हमदर्दी अपने वोट बैंक से है,समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक दूसरे का वोट बैंक खींचना चाहती हैं।

सपा व तृणमूल कांग्रेस प्रदर्शन से रहे दूर

कांग्रेस की अगुवाई वाले इस प्रदर्शन में सपा के साथ तृणमूल कांग्रेस भी शामिल नहीं हुई। हालांकि कई इंडिया ब्लॉक पार्टियों के नेताओं ने अडानी अभियोग मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और मामले की संयुक्त संसदीय जांच (जेपीसी) का आह्वान किया। कांग्रेस, आप, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), डीएमके और वामपंथी दलों के सांसदों ने अपनी मांग को लेकर जमकर नारे लगाए और संसद परिसर में मोदी-अडानी एक हैं लिखे बैनर पकड़े। हालांकि, टीएमसी ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से खुद को दूर रखा।

योगी सरकार में पारदर्शिता नहीं : कांग्रेस सांसद चमाला

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को हिंसा प्रभावित संभल जाने से रोके जाने पर कांग्रेस सांसद किरण कुमार चमाला ने कहा, लोकतंत्र में जब भी देश भर में कोई घटना होती है, तो विपक्ष के नेता को वहां पहुंचकर तथ्यों का पता लगाना चाहिए। चार दीवारों (संसद की) के बीच हमें नहीं पता कि संभल में क्या हुआ, हमारे विपक्ष के नेता ने वहां पहुंचकर तथ्यों का पता लगाने की कोशिश की। राज्य सरकार ने उन्हें वहां पहुंचने की अनुमति नहीं दी, जिससे पता चलता है कि पारदर्शिता नहीं है, वे देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को तोड़ने की कोशिश कर रहे है।

भ्रष्टाचार के लिए भाजपा बनाती है राजस्व बढ़ाने की योजना : अखिलेश

जीएसटी परिषद द्वारा कई वस्तुओं पर कर बढ़ाए जाने पर भड़के सपा प्रमुख

» बोले, कर की दरें बेतहाशा बढ़ाने के पीछे सरकार का है एक बड़ा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम का भाजपा व उसकी नीतियों की आलोचना करना जारी है। अब सपा मुखिया ने राजस्व के मुद्दे पर मोदी व योगी सरकार पर हमला बोला है। जीएसटी परिषद द्वारा कई वस्तुओं पर कर बढ़ाए जाने की संभावना की खबरों को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र पर प्रहार करते हुए

समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की है।

अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा, कहां तो भाजपाई कह रहे थे एक देश, एक कर। लेकिन उनकी यह बात भी जुमलाई झूठ निकली, क्योंकि अब वे कर की नई 'स्लैब' ला रहे हैं। जब एक कर, कई स्लैब हैं तो एक कर का नारा सही मायनों में झूठा साबित हुआ न। उन्होंने कहा, दरअसल कर की दरें बेतहाशा बढ़ाने के पीछे एक बड़ा खेल है। यह राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने और फिर अधिकारियों के माध्यम से दुकानदारों, कारोबारियों पर दबाव बढ़ाकर ज्यादा वसूली की भाजपाई योजना है। अखिलेश ने कहा, दुनिया का नियम है कि जितनी अधिक कर की दर होती है, उतनी ही अधिक कर की चोरी होती है और जितनी अधिक कर की चोरी होती है, उतनी ही अधिक भ्रष्ट सत्ताधारियों की कमाई होती है। भाजपा सरकार में कर चुराने के लिए और उससे वसूली के लिए पिछले दरवाजे के रास्ते पहले तैयार कर लिए जाते हैं। उसके बाद कोई कर योजना सामने के दरवाजे से बाहर नहीं आती।

कर बढ़ने से जनता ही मारी जाती है

सपा मुखिया ने कहा, हर कर को चुकाने का बोझ आखिर में जनता पर ही आता है। इसलिए घूम-फिरकर कर की चक्की में जनता ही पिसती है, जनता ही मारी जाती है। अखिलेश ने एक समाचार पत्र की 'कटिंग' भी इस पोस्ट में साझा की है जिसका शीर्षक है, सिगरेट, तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाकर 35 प्रतिशत की जा सकती है, जीएसटी परिषद का निर्णय 21 दिसंबर को।

विमानन विवि ने किया नेता प्रतिपक्ष का अनादर : कांग्रेस

» दीक्षांत के लिए राहुल गांधी को आम अतिथि जैसा आमंत्रण भेजने से सियासी बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व किशोरी लाल को साधारण तरीके का आमंत्रण भेजे जाने पर सियासी बवाल मच गया है। इसको लेकर कांग्रेस ने घोर आपत्ति की है। दरअसल कार्यक्रम में रायबरेली व अमेठी सांसद को आम निमंत्रण भेजे जाने से कांग्रेसियों में नाराजगी है।

कांग्रेस ने कहा, संस्थान ने सांसद ही नहीं नेता प्रतिपक्ष का भी अनादर किया है। बता दें संस्थान ने दीक्षांत समारोह में रायबरेली सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा को आमंत्रित किया है, लेकिन कायक्रम में इन्हें न ही मुख्य व विशिष्ट अतिथि बनाया गया है। उन्हें आम लोगों की तरह दर्शक दीर्घा में स्थान मिलेगा। दोनों सांसदों को भेजा गया आमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसको लेकर नाराजगी जताते हुए कांग्रेस के जिला प्रवक्ता बताया कि वर्ष 2011 में इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी फुरसतगंज के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में सांसद राहुल गांधी ने विमानन विश्वविद्यालय बनवाने की बात कही थी। राहुल गांधी के प्रयास से अमेठी को भारत का पहला विमानन विश्वविद्यालय मिला था। वर्ष 2013 में संसद से पास होने के बाद राहुल गांधी ने राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय की स्थापना सहित तमाम बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।

अमेठी सांसद ने सदन में उठाया था विवि का मुद्दा

हाल ही में अमेठी सांसद किशोरीलाल शर्मा ने सदन में विवि के मुद्दे को उठाया था। उसके बाद संस्थान के कार्यों में प्रगति हुई। नए वाइस चांसलर की नियुक्ति की गई। सात दिसंबर को राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विवि का प्रथम दीक्षांत समारोह होने जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह में नेता प्रतिपक्ष/रायबरेली सांसद राहुल गांधी और अमेठी सांसद किशोरीलाल शर्मा के प्रोटोकॉल का सुनियोजित ढंग से अनादर किया गया है। उन्हें आम लोगों की तरह कार्यक्र म में शिरकत के लिए आमंत्रित किया गया है।

जो भी आएगा, उसका सम्मान किया जाएगा : कुलपति

"राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भृगुनाथ सिंह ने कहा कि संस्थान का दीक्षांत समारोह है। गुरु-शिष्य का कार्यक्रम है। जो भी आएगा, उसका सम्मान किया जाएगा।

मेडिकल प्रवेश में आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करें : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करना चाहिए।

पीडीपी प्रमुख ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह जरूरी है कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम के एसआरओ 49 (2018) को बहाल करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सुपर-स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रम तक सुलभ पहुंच हो और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के हितों की रक्षा हो सके। मुफ्ती जनवरी 2018 में पारित एक आदेश का जिक्र कर रही थीं, जब वह जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री थीं। एसआरओ 49 (2108) के अनुसार, स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 75 प्रतिशत सीट सामान्य मेरिट के आधार पर भरी जानी थीं, जबकि 25 प्रतिशत सीट वंचित वर्गों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित थीं।

राज्य की सत्ता खींचने वालों का मुखौटा बने सीएम नीतीश कुमार : तेजस्वी यादव

बोले- हमारी महागठबंधन की सरकार बनी तो लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की सरकार बनने पर पूरे बिहार में उपभोक्ताओं को हम 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। साथ ही उन्होंने राज्य के सीएम नीतीश कुमार पर भी हमला बोला।

उन्होंने कहा हम सत्ता में आने पर ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं लेकिन तब तक हम नीतीश कुमार सरकार पर इसके लिए दबाव बनाएंगे। युवा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वह नहीं रहे जो वह थे और वह उस मंडली के लिए मुखौटा (मुखौटा) बन गए हैं जो राज्य में सत्ता खींच रही है। मुंगेर में राजद कार्यकर्ताओं के साथ

बातचीत के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले जनता के साथ साझा करने के लिए एक रोडमैप तैयार कर रही है। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि राज्य के लोग अत्यधिक बिजली दरों और स्मार्ट प्री-पेड मीटरों द्वारा अनियमित बिलिंग से जूझ रहे हैं, जो स्मार्ट धोखेबाज कहलाने लायक हैं। उन्होंने कहा कि हम चीजों को सही करने और 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करके लोगों को राहत देने का इरादा रखते हैं।

सार्वजनिक धन को बर्बाद किया जा रहा

राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि महिला संवाद यात्रा के लिए 250 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है, जिसे मुख्यमंत्री जल्द ही शुरू करने वाले हैं और कहा कि सार्वजनिक धन को बर्बाद किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि नौकरशाही को लूट में लिप्त होने की खुली छूट दे दी गई है। बिहार के लिए विशेष दर्जा सुरक्षित करने और वंचित जातियों के लिए बढ़ा हुआ कोटा प्रदान करने वाले कानूनों की रक्षा करने में विफलता के लिए जद (यू) सुप्रीमो को लताड़ा, बावजूद इसके कि उनकी पार्टी केंद्र में एनडीए सरकार का हिस्सा है।

एकनाथ शिंदे का दौर खत्म : राउत

बोल- अब कभी सीएम नहीं बन पाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार का नाम फाइनल हो चुका है। आज गुरुवार (5 दिसंबर) को तीनों नेता अपने-अपने पद की शपथ लेंगे।

इस बीच शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने फिर से सीएम नहीं बनाए जाने पर एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा, शिंदे का दौर खत्म हो गया है, अब उन्हें फेंक दिया गया। बीजेपी शिंदे के पार्टी को तोड़ सकती है। संजय राउत ने कहा, एकनाथ शिंदे अब कभी राज्य के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, बहुमत के बाद 15 दिन

सरकार बनाने में लग गए हैं, ये लोग स्वार्थ के लिए सरकार चला रहे हैं, जनता को यह नतीजा मंजूर नहीं है, नई सरकार जो आज शपथ ले रही है, उसका हम स्वागत करते हैं, शपथ ग्रहण में जाना है या नहीं, यह हम लोग शाम तक देख लेंगे। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में बीजेपी की इस दमदार जीत के बाद दो बार मुख्यमंत्री रहे 54 वर्षीय फडणवीस तीसरी बार राज्य के मुखिया बनने जा रहे हैं।

अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई, विपक्ष के निशाने पर सरकार आई

वित्तमंत्री बोलीं- कोई आर्थिक संकट नहीं

कांग्रेस नेता राहुल ने विकास दर कम होने पर एनडीए सरकार को घेरा

- विपक्ष बोला- आंकड़े से तथ्य नहीं छिपा सकते
- रिजर्व बैंक के गवर्नर व केंद्रीय मंत्री गोयल आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार को बने छह महीने होने वाले हैं। इस बीच सरकार के कई फैसले विपक्ष के निशाने पर आ चुके है। वर्तमान में अर्थव्यस्था की पतली हालत पर सियासी वार-पलटवार भी शुरू हो गया है। सरकार के विभाग ही अपनी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने लगें हैं। सरकारी रस्साकसी केबीच विपक्ष खासकर कांग्रेस ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर कई प्रश्न उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एनडीए सरकार पर हमले के बाद सरकार व आरबीआई ही आमने-सामने आ गए हैं। आरबीआई और सरकार के बीच दरार अक्सर आर्थिक नीतियों, मुद्रास्फीति नियंत्रण, और वित्तीय स्थिरता को लेकर होती है।

दरअसल, 29 नवंबर को सांख्यिकी मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था ने जुलाई से सितंबर तक की तिमाही में सिर्फ 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले सात तिमाहियों में सबसे कम है। जबकि रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अर्थव्यस्था को मजबूत बताया है, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अर्थव्यस्था को मजबूत बताया है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल ने कहा, पिछले पांच सालों में मजदूरों, कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों की कमाई या तो रुकी हुई है या बहुत कम हो गई है। कमाई कम होने से लोगों की खरीदारी करने की क्षमता भी कम हो गई है। इसका असर कार और घरों की बिक्री पर साफ दिख रहा है। 10 लाख से कम कीमत वाली कारों की बिक्री में 50% से ज्यादा की गिरावट आई है। पहले यह 80% हुआ करती थी। इसी तरह सस्ते घरों की बिक्री भी 38% से घटकर 22% रह गई है। स्नस्न्रूष्टत्र यानी रोजमर्रा के इस्तेमाल के सामान की मांग भी कम हो रही है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को एक मुद्दे पर आमने-सामने आ गए। केंद्रीय मंत्री ने आरबीआई गवर्नर के सामने ही रेपो रेट घटाने की अपील कर डाली, इस पर गवर्नर ने भी उनकी बात रखते हुए कहा कि दिसंबर में होने वाली एमपीसी बैठक में इस बात पर विचार किया जाएगा। अगर अगली बैठक में आरबीआई गवर्नर रेपो रेट में कटौती करते हैं तो निश्चित रूप से यह आम आदमी के लिए बड़ी राहत वाली बात होगी, क्योंकि सभी तरह के खुदरा लोन की ईएमआई घट जाएगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था आराम से आगे बढ़ रही है, क्योंकि हमारा फाइनेंशियल सिस्टम बहुत मजबूत है। उन्होंने कहा, 'वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था आराम से आगे बढ़ रही है, क्योंकि हमारा वित्तीय तंत्र काफी मजबूत और स्थिर है। हमारा अनुमान है कि इस साल भी ग्लोबल ट्रेड काफी ज्यादा रहने वाला है, जबकि चुनौतियां बरकरार हैं.' अगले महीने होने वाली एमपीसी बैठक में ब्याज दरें घटाने की बात पर उन्होंने कहा कि मैं आज भी पॉलिसी रेट को लेकर अपनी बात पर कायम रहना चाहूंगा। लेकिन, अगली बैठक में माननीय केंद्रीय मंत्री की अपील पर भी विचार किया जाएगा।

आरबीआई का दावा भरा है भंडार

शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अभी दुनिया में चौथे नंबर पर है और हमारे पास 12 महीने का सामान आयात करने जितना रिजर्व है। इतना ही नहीं हमारी एक्सचेंज रेट पॉलिसी भी पूरी तरह दायरे में चल रही है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती की ओर इशारा करती है। मनी रेट और रेपो रेट दोनों ही एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं, लिहाजा मनी मार्केट को लेकर भी चिंता की कोई बात नहीं है गौरतलब है कि डॉलर के मुकाबले रुपया अभी सर्वकालिक निचले स्तर पर चल रहा है, बावजूद इसके आरबीआई ने इसे चिंता की बात नहीं बताई है।

नेता प्रतिपक्ष ने आंकड़ों के साथ रखी अपनी बात

राहुल ने महंगाई, बेरोजगारी, कॉर्पोरेट टैक्स, आमदनी इत्यादि के आंकड़े रखते हुए अपनी बात कही। उन्होंने महंगाई को बड़ी चिंता बताया। वह बोले कि खुदरा महंगाई दर 14 महीने के ऊंचे स्तर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई है। आलू-प्याज जैसे रोजमर्रा के सामान की कीमतें पिछले साल के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गई हैं। रुपये की कीमत भी गिरकर 84.50 के स्तर पर आ गई है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। बेरोजगारी भी 45 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

राहुल गांधी ने अर्थव्यवस्था की सेहत पर चिंता जताई

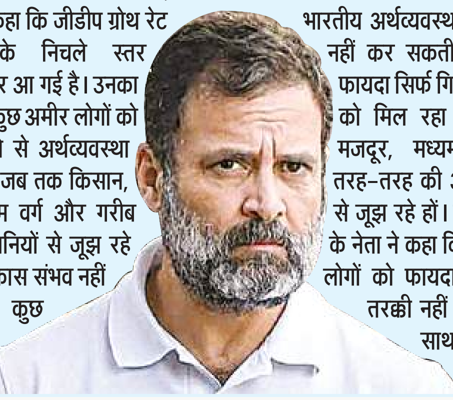

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कहा कि जीडीप ग्रोथ रेट दो साल के निचले स्तर 5.4प्रतिशत पर आ गई है। उनका मानना है कि कुछ अमीर लोगों को फायदा पहुंचने से अर्थव्यवस्था नहीं सुधरेगी। जब तक किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं तब तक विकास संभव नहीं है। उन्होंने कुछ आंकड़े भी पेश किए जो स्थिति की गंभीरता दर्शाते हैं। राहुल गांधी ने कहा, भारत की ग्रोथ रेट दो साल में सबसे नीचे 5.4प्रतिशत पर आ गई है। बात साफ है, भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों को मिल रहा हो और किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हों। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि सिर्फ कुछ अमीर लोगों को फायदा होने से देश की तरक्की नहीं हो सकती। सबको साथ लेकर चलना होगा।

नई सोच के साथ सुधारी जाए अर्थव्यवस्था

राहुल गांधी का कहना है कि अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए नई सोच की जरूरत है। उन्होंने व्यवसायों के लिए एक नई योजना की बात कही है, जिससे सभी को आगे बढ़ने का मौका मिले। उनका मानना है कि सबको समान अवसर मिलेंगे, तभी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, %इसीलिए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक नई सोच चाहिए और बिजनेसेस के लिए एक न्यू डील उसका अहम भाग है। सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, तभी हमारी अर्थव्यवस्था का पहिया आगे बढ़ेगा।

चीन से कितना आयात

भारत ने साल 2021-22 में दुनियाभर के 216 देशों और क्षेत्रों से सामान खरीदा। इस पर भारत ने 61 हजार 305 करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च किए। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस खर्च में सबसे ज्यादा फायदा चीन को मिला. भारत के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी 15.42 प्रतिशत रही। टॉप 10 देशों में चीन के अलावा यूनाइटेड अरब अमीरात, अमेरिका, इराक़, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, हांगकांग, सिंगापुर, इंडोनेशिया और कोरिया का नाम शामिल है। साल 2021-22 में भारत ने चीन से करीब 3 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदा है, इसमें इलेक्ट्रिकल मशीनरी, उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, साउंड रिकॉर्डर, टेलीविजन और दूसरी कई चीजें शामिल हैं।

चीन से आयात बढ़ा, निर्यात घटा

संसद में सरकार ने दावा किया है चीन के एलएसीए पर सबकुछ सामान्य बनाने की कोशिश हो रही है। इससे पहले चीन से तनाव के बाद केंद्र ने वहां आयात प्रतिबंधित कर दिया था। परंतु अभी वाणिज्य मंत्रालय ने ाजनकारी दी की चीन से सबेस ज्याद आयात हुआ है। जबकि निर्यात मे कमी आई। जिसका सीधा सा अर्थ है कि भारत की बड़ी मात्रा में धनराशि चीन तो गइ है पर चीन से उतनी विदेशी मुद्रा नहीं आई है। इस आंकड़े को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा है। वहीं बीजेपी सरकार की शुरुआती सात साल में चीन और भारत के बीच एक तरफ जहां गतिरोध बढ़ा है वहीं दूसरी तरफ चीन पर भारत की निर्भरता में भी कोई कमी नहीं रही। इस बीच चीन से सामान खरीदने में भारत ने करीब साठ प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। आसान शब्दों में कहें तो साल 2014 में भारत, चीन से सामान खरीदने पर 100 रुपये खर्च करता था, वो आज बढ़कर 160 रुपये हो गए हैं। कूटनीति में कहते हैं कि जिस मुल्क से खतरा महसूस हो तो उस पर निर्भरता को कम कर लेना चाहिए। ऐसे ही वादे, हाल के दिनों में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम के देशों ने भी किए हैं कि वे रूस पर अपनी निर्भरता को कम करनी की लगातार कोशिशें करते हुए देखे जा सकते हैं। क्या वजह है कि चीन के साथ सीमाओं पर तनातनी के बावजूद भारत अपनी निर्भरता कम नहीं कर पा रहा है? वो कौन सा सामान हैं जो भारत चीन से सबसे ज्यादा खरीदता है? इस रास्ते पर अगर भारत चला रहा तो उसे भविष्य में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनाव खत्म क्या महंगाई से निपटने का होगा उपाय!

प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्याज की कीमतें बढ़नें पर ग्राहकों का क्या मत है, उनका बजट इस मूल्य वृद्धि से कितना प्रभावित हो रहा। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की आंखें नम होने लगी है।

झारखंड व महाराष्ट्र में चुनावों खत्म हो गए। सरकारें भी बन गई हैं। पर आम जनता महंगाई से अब भी जूझ रही है। थोक बाजारों में प्याज से लेकर कई सब्जियों की कीमतें आसमान छूं रही हैं। प्याज 40-60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। लोगों थाली भी इस महंगाई से भूख को बढ़ा रही है। नेता अब दिल्ली व बिहार के चुनाव में जुटने वाले है। ज्ञात हो कि चुनावों के प्रचार के समय सभी सियासी दल महंगाई का मुद्दा जोर-शोर से उठाते हैं। पर चुनाव के बाद सब हवा हो जाता है। खास तौर से उत्तरी राज्यों में महंगाई की वजह से खाने-पीने की खाद्य वस्तुओं व सब्जियों व फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। लोग सरकार से गुहार लगा रही हैं पर सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंक रही है। विपक्षी दल भी आम आदमी के पक्ष में दिख रहें हैं पर अभी सरकार में बैठी भाजपा दो राज्यों की चुनावी प्रचार में व्यस्त है। खैर सरकारों क्या वे तो अपना चुनावी लाभ देखती हैं उन्हें आम जनता से क्या आम जनता को महंगाई के मुद्दे पर उन्हें घेरना जरूर चाहिए। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

प्याज की कीमतें बढ़नें पर ग्राहकों का क्या मत है, उनका बजट इस मूल्य वृद्धि से कितना प्रभावित हो रहा। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की आंखें नम होने लगी है। प्याज ही नहीं टमाटर व अन्य सब्जियां की बढ़े दाम की वजह से थाली से दूर हो रही हैं। दिल्ली के एक बाजार में एक विक्रता ने कहा हम इसे मंडी से खरीदते हैं, इसलिए वहां से हमें जो कीमतें मिलती हैं, वे उस कीमत को प्रभावित करती हैं, जिस पर हम इसे बेचते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिक्री में कमी आई है, लेकिन लोग इसे अभी भी खरीद रहे हैं क्योंकि यह यहां के खाने की आदतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोग सरकार से अपील कर रहे हैं कि कम से कम हर दिन खाई जाने वाली सब्जियों की कीमतें कम करें। मुंबई के बाजारों समेत देश के कई राज्यों में प्याज की कीमत में उछाल आया है। मुंबई के एक खरीदार ने कीमतों में उछाल के बारे में बात की और कहा कि प्याज और लहसुन की कीमत कई गुना बढ़ गई है। यह दोगुनी हो गई है। इससे घर का बजट भी प्रभावित हुआ है। एक अन्य खरीदार ने कहा कि सेंसेक्स की तेजी और गिरावट की तरह प्याज की कीमत में भी गिरावट आएगी। खैर बातचीत में बहुत लोग दबी जुबान में सरकार पर भी बरसते नजर आए। लोगों का कहना है चुनावों से पहले लोगों की समस्याओं को दूर करने की बात करने वाली सरकारें चुनाव जीतने के बाद महंगाई के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल देती हैं। पर लगता है सरकारों को कीमतो पर लगाम लगाने के लिए क्रांति या आंदोलन करना पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दीवारें उठी तो छोटा होगा हमारा आंगन

विश्वनाथ सचदेव

संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलग ही रहा था कि अजमेर की दरगाह को भी विवाद के घेरे में उलझा दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह दरगाह भी किसी हिंदू मंदिर को ढहा कर बनायी गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में कई मस्जिदें मंदिरों के ऊपर बनायी गयीं। वह हमारे इतिहास का हिस्सा है। यह काम न होता तो अच्छा था। मंदिर अपनी जगह बने रहते, मस्जिदें अपनी जगह बनतीं। लेकिन इतिहास इस बात का साक्षी है कि विजेता पक्ष अपनी महत्ता और ताकत को साबित करने के लिए इस तरह के दंभपूर्ण काम करता है। अपने ही देश में एक धर्म के मंदिर ढहा कर दूसरे धर्म का पूजा स्थल बनाये जाने के ढेरों उदाहरण हैं। न जाने कितने बौद्ध मंदिर हिंदू मंदिरों को ढहा कर बने थे, और इसका विपरीत काम भी हुआ था।

नि:संदेह, धर्म के नाम पर यह 'लड़ाई' निंदनीय ही कही जा सकती है। यह भी समझना होगा कि इस तरह की लड़ाई अनंतकाल तक नहीं चल सकती। कहीं तो इस पर पूर्ण-विराम लगना ही चाहिए था। स्वतंत्र भारत के नेतृत्व में आजादी पाने के दिन अर्थात 15 अगस्त, 1947 यह पूर्ण-विराम घोषित कर दिया। हमारी संसद ने वर्ष 1991 में एक कानून बनाकर यह तय कर दिया कि देश के सभी धार्मिक स्थल उसी रूप में रहेंगे जो सन 15 अगस्त, 1947 को था- सिर्फ बाबरी मस्जिद के प्रकरण को इससे बाहर रखा गया था, क्योंकि यह विवाद तब न्यायालय में पहुंच चुका था। बहरहाल, अब वह विवाद नहीं रहा, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। उम्मीद की गयी थी कि इसके साथ ही 'इतिहास को ठीक' करने का तर्क भी समाप्त हो जायेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने तो स्पष्ट कहा था कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद बंद होनी चाहिए। पर ऐसा हुआ नहीं। कहना चाहिए ऐसा होने नहीं दिया जा रहा। कुछ तत्वों से जुड़े लोग चाहते हैं, कि इस विवाद की आंच जलती रहे। संभल और अजमेर में यही आंच जलाये रखने की कोशिश हो रही है। इससे, किसे क्या लाभ होगा यह वही जाने, पर नुकसान सारे देश को हो रहा है। अतीत के 'अपराधों' को ठीक करने के नाम पर हम अपने भविष्य के प्रति 'अपराध' किये जा रहे हैं!

संविधान की मूलभूत भावना की रक्षा के लिए हमने 'पूजास्थल कानून' बनाया था। तय किया था कि अब किसी

पूजा स्थल में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होगा। स्पष्ट है, यह बीती को बिसार के आगे की सुधि लेने वाला निर्णय था। ताकि भविष्य सुरक्षित रहे, बेहतर हो। अब इस महत्वपूर्ण निर्णय को स्वयं न्याय व्यवस्था नकारती-सी दिख रही हैं। पहले वाराणसी में, और अब संभल में मस्जिदों के नीचे दबे मंदिरों की न्यायिक जांच करने का आदेश देकर जैसे किसी बांध का दरवाजा खोल दिया है। इस संदर्भ में भीड़-तंत्र सांप्रदायिकता को ही हवा दे रहा है। इसके अलावा और क्या मतलब हो सकता है 'वोट जिहाद' जैसे नारों का? यही नहीं, 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे वोट भले ही दिलवा दें, पर इससे देश में सांप्रदायिक सौहार्द पर आंच ही आयेगी। सांप्रदायिकता की आग पर पानी-मिट्टी डालने की है, लेकिन एक तरह से विवाद को भड़काया ही जा रहा है। 'मेरा मंदिर, तेरी मस्जिद' वाला यह खेल अब बंद होना ही चाहिए। विभाजन के बाद जो अल्पसंख्यक 'अपना वतन' छोड़कर पाकिस्तान नहीं गये थे, उनकी देशभक्ति पर उंगली उठाना सही नहीं है। अब भी कभी-कभी हमारे कुछ नेता देश के मुसलमानों को पाकिस्तान जाने की सलाह देकर शायद उन्हें यह जताना चाहते हैं कि वे भारत में अवश्य हैं, पर भारत के नहीं हैं। इस तरह की भावना भड़काने वाले गलत ही कर रहे हैं। देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल ने संविधान सभा में 'अल्पसंख्यक रिपोर्ट' पेश करते हुए एक चेतावनी दी थी देश के बहुसंख्यकों को। उन्होंने कहा था यह हम बहुसंख्यकों को समझना है कि अल्पसंख्यक समुदाय क्या अनुभव कर रहा होगा और यह भी कि हमारे बारे में भी वही सोचा जाये जैसा अल्पसंख्यकों के बारे में सोचा जा रहा है तो हमें कैसा लगेगा?' यह प्रश्न नहीं था, चेतावनी थी जो सरदार पटेल ने देश के बहुसंख्यकों को दी थी। और यह आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी 1949 में थी, जब लौह पुरुष सरदार पटेल ने देश को सांप्रदायिकता के खतरे से आगाह किया था। आजादी के इन 75 सालों में ऐसे बहुत मौके आये हैं जब हमने 'ईश्वर एक है' की अपनी मान्यता को विश्व के समक्ष एक आदर्श के रूप में रखा है। यदि हम इस बात को मानते हैं तो फिर ऐसा कुछ बचा नहीं रहता जो धर्म के आधार पर हमें बांटे। आज संभल या अजमेर जैसे मुद्दे उठाकर हमारी वसुधैव कुटुंबकम वाली मान्यता को चुनौती दी जा रही है।

उन्नत युद्धपोतों से बढ़ेगी सामरिक क्षमता

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को आक्रामक बनाया जा रहा है, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने के लिए। भारतीय नौसेना अपनी ताकत बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है, ताकि भविष्य में वह और अधिक सक्षम और शक्तिशाली हो सके। समंदर में भारत की ताकत बढ़ाने के लिए नौसेना को इस माह के अंत तक एक नया गाइडेड मिसाइल युद्धपोत प्राप्त हो जाएगा। रूस द्वारा तैयार किए गए दो युद्धपोतों में से आईएनएस तुशील पहला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के लंबे खिंचने के कारण इसकी प्राप्ति में विलंब हो गया। इसी युद्ध के कारण एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और परमाणु पनडुब्बी की प्राप्ति में भी देरी होने की संभावना है। आईएनएस तुशील युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइलों सहित अत्याधुनिक हथियारों से लैस होगा। तुशील के मिलने के बाद अगले वर्ष आईएनएस तमल गाइडेड मिसाइल युद्धपोत भी मिल जाएगा। इन दोनों पोतों के नौसेना में शामिल होने से भारतीय नौसेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

इन गाइडेड मिसाइल युद्धपोतों में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों सहित अत्याधुनिक घातक हथियार तथा सैन्य अभियानों को अंजाम देने के लिए सेंसर लगाए गए हैं। तुशील गाइडेड मिसाइल युद्धपोत इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला से लैस है। इसमें एंटी सबमरीन रॉकेट और तारपीडो लगाए गए हैं। इसकी लंबाई लगभग 129 मीटर है। इसकी स्पीड 30 नॉटिकल मील प्रति घंटा है। तुशील का वजन 3600 टन से ज्यादा है। इसमें 180 नौसैनिक यात्रा कर सकते हैं। भारत और रूस के बीच 2016 में चार तलवार क्लास के स्टील्थ फ्रिगेट बनाने का समझौता हुआ था, जिनमें से दो रूस और दो भारत में बन रहे हैं। भारत में विशाखापट्टनम क्लास का चौथा गाइडेड मिसाइल युद्धपोत और नीलगिरि फ्रिगेट जल्द ही नौसेना में शामिल होंगे। इन युद्धपोतों में ब्रह्मोस मिसाइलें तैनात हैं, जो लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। वर्तमान में भारतीय नौसेना के पास छह तलवार क्लास स्टील्थ फ्रिगेट्स हैं, जिनमें से चार ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस हैं। इन युद्धपोतों के शामिल होने से भारत की समुद्री ताकत में काफी वृद्धि होगी।

हाल ही में, भारतीय नौसेना ने 27 नवम्बर को के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। नौसेना ने यह परीक्षण परमाणु पनडुब्बी अरिघात से किया। अब इसका अपग्रेड वर्जन शीघ्र ही कमीशन किया जाना है। परमाणु पनडुब्बी अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इस पनडुब्बी को विशाखापट्टनम में नौसेना के शिपबिल्डिंग सेंटर में निर्मित किया गया था। अब अरिहंत की तुलना में 6000 टन वजन वाली अरिघात के नए वर्जन को के-4 मिसाइलों से लैस किया जाएगा। इस परीक्षण में के-4 मिसाइल अपने सभी तय मानकों पर खरी उतरी। पनडुब्बी से इस मिसाइल का यह पहला परीक्षण था। वर्ष 2010 से अब तक इसके कई परीक्षण किए जा चुके हैं। यह मिसाइल 10 मीटर लंबी और 20 टन वजन वाली है।

यह एक टन वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है। के-4 मिसाइलों की मारक दूरी 3500 किलोमीटर तक है। बंगाल की खाड़ी में इन मिसाइलों को तैनात करने से चीन के मेनलैंड और उसके दक्षिण व पश्चिमी इलाकों तक के क्षेत्र को निशाना बनाया जा सकेगा। यह अपनी मारक क्षमता के तहत चीन की राजधानी बीजिंग को भी निशाने पर ले सकती हैं। अरिघात 50 दिन से ज्यादा पानी के अंदर रह सकती है। इसलिए यह चीन के जासूसी जहाजों की नजरों से बचकर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे सकती है। अगर पाकिस्तान से मुकाबले की बात आती है तो अरिघात में तैनात होने पर ये इस्लामाबाद को भी नेस्तनाबूद कर सकती है। गौरतलब है कि भारत के पास पनडुब्बी से दागी जाने वाली मिसाइलों में कम दूरी की मारक क्षमता वाली के-15 मिसाइलें हैं। ये मिसाइलें 750 किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत में ये मिसाइलें तैनात हैं। इसके अलावा भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के-5 पर काम कर रहा है। इसकी मारक दूरी 5000 किलोमीटर से भी ज्यादा होगी। इन सभी की तुलना में के-4 मिसाइलें ज्यादा सटीक, बेहतर एवं आसानी से ऑपरेट होती हैं।

नवम्बर, 2024 में ही गोला बारूद नौका एलएसएएम-12 यार्ड 80 नौसेना को प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया समझौता इस साल फरवरी में पूरा हो गया था। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि हो जाएगी। इन नौकाओं को स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए भारतीय जहाज इंजीनियरिंग फर्म से सहयोग लिया गया। इसके अलावा नौसेना की विशाखापट्टनम की विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोगशाला में इनका मॉडल तैयार किया गया जिससे इसकी समुद्री योग्यता का आकलन किया जा सके। नौसेना के लिए निर्मित किया गया पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत अपनी पूर्ण परिचालन क्षमता को हासिल कर चुका है। अब यह युद्ध मोड में तैनात होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस पोत पर तैनात होने वाले 30 विमान बेड़े में 18 मिग-29 तथा 12 कामोव हेलीकॉप्टर होंगे। अमेरिका से खरीदे गए एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर शक्तिशाली पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के साथ इस पोत पर तैनात रहेंगे। इन सभी के मिलने के बाद भारतीय नौसेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

नवजात बच्चों का सर्दियों में ऐसे रखें खास ख्याल

नवजात बच्चे अपनी नाजुक शारीरिक संरचना के कारण सर्दियों में विशेष देखभाल के हकदार होते हैं। सर्दी का मौसम नवजात शिशुओं के लिए कठिन हो सकता है, क्योंकि उनका शरीर तापमान नियंत्रण में सक्षम नहीं होता और वे आसानी से ठंड से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, सर्दियों में नवजात बच्चों की देखभाल करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन सही तरीके से देखभाल करने पर शिशु स्वस्थ रह सकते हैं। क्योंकि उनकी त्वचा, शारीरिक संरचना और इम्यून सिस्टम पहले से ही बहुत कमजोर होते हैं। जिससे वे जल्दी सर्दी और बुखार से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, उनका तापमान सही रखने के लिए कुछ विशेष उपायों की आवश्यकता होती है। साथ ही, शिशु के टीकाकरण और नियमित चेकअप की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अधिक स्नान से बचाएं

सर्दियों में नवजात को ज्यादा स्नान कराना जरूरी नहीं है। सप्ताह में दो-तीन बार ही स्नान कराना काफी होता है। अगर शिशु को बार-बार स्नान कराना आवश्यक हो, तो गुनगुने पानी का प्रयोग करें। सर्दियों में शिशु की देखभाल करते वक्त उसकी समग्र सेहत को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसमें सही आहार, इम्यूनिटी और अन्य शारीरिक देखभाल शामिल होती है। वहीं शिशु को ठंड से बचाने के लिए कमरे का तापमान 20-22 डिग्री सेल्सियस के बीच रखना चाहिए। कमरे में हल्का हीटर लगा सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि यह अत्यधिक गर्मी न दे, क्योंकि इससे शिशु का तापमान असंतुलित हो सकता है।

गर्म कपड़े पहनाएं

नवजात शिशु के लिए गर्म और मुलायम कपड़े पहनाना बहुत जरूरी है। ऊनी या फ्लीस सामग्री के कपड़े नवजात शिशु के लिए आदर्श होते हैं, क्योंकि यह उनकी त्वचा के लिए आरामदायक होते हैं और शरीर की गर्मी को बनाए रखते हैं। नवजात शिशु को सर्दी से बचाने के लिए बंडलिंग (स्वेटर या कंबल से लपेटना) की तकनीक बहुत प्रभावी हो सकती है। सुनिश्चित करें कि बच्चा न तो ज्यादा गर्म हो और न ही ज्यादा ठंडा। बंडलिंग करते समय बच्चे के सिर और चेहरे को ढकने से बचें, ताकि वह आसानी से सांस ले सके।

नियमित चेकअप और टीकाकरण

सर्दी और ठंड में शिशु को बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण और नियमित चेकअप की जरूरत होती है। यदि शिशु को सर्दी, बुखार, खांसी या कोई अन्य बीमारी का संकेत मिलता है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। शिशु की रोग प्रतिकारक क्षमता कम होती है, और सर्दियों में संक्रमण फैलने का खतरा अधिक होता है। नवजात शिशु का सही समय पर टीकाकरण करवाना बहुत महत्वपूर्ण है। शिशु की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए, सर्दियों में भी डॉक्टर के पास समय-समय पर चेकअप और वैक्सीनेशन के लिए जाएं। सर्दी में शिशु के नथुनों में नमी का बनना आम बात है, जिससे श्वसन समस्याएं हो सकती हैं।

पर्याप्त पानी दें

सर्दियों में पानी की प्यास कम लगती है, लेकिन यह शिशु के लिए जरूरी है कि उसे पर्याप्त मात्रा में पानी मिले। ब्रेस्टफीडिंग के दौरान शिशु को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन अगर आप उसे पाउडर मिल्क से फीड कर रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि उसे पर्याप्त पानी मिले।

त्वचा का ख्याल रखें

सर्दी में नवजात शिशु की त्वचा अधिक नाजुक हो जाती है। ठंडी हवाएं और कम आर्द्रता त्वचा को सूखा और खुरदुरा बना सकती हैं। ऐसे में त्वचा की देखभाल करना जरूरी हो जाता है। नवजात शिशु की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है, इसलिए स्नान के बाद मुलायम तौलिये से धीरे-धीरे पोंछें। कठोर तौलिए से त्वचा पर रगड़ने से जलन या सूजन हो सकती है। वहीं नवजात शिशु के पैर और हाथ ठंडे होते हैं, और यही शरीर का वह हिस्सा है जहां से ठंड प्रवेश करती है। इसलिए बच्चों के पैरों में सॉक्स और हाथों में दस्ताने पहनाना जरूरी है, ताकि वे गर्म रहें।

सही आहार का चयन करें

शिशु के लिए मां का दूध सर्वोत्तम होता है, खासकर सर्दियों में। मां का दूध नवजात शिशु को पोषण और इम्यूनिटी प्रदान करता है, जिससे वह सर्दी और अन्य संक्रमणों से बचा रहता है। यदि शिशु को सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो शिशु को ज्यादा से ज्यादा मां का दूध पिलाएं, क्योंकि इससे शिशु का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

एक लड़की- हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान - घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और 1st आयी है। लड़का- देख देख क्या देख, उसी को देख देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की- अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की- पर क्यों? लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

लड़की- परसो मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यू? लड़का- अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

पति- मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है जल्दी से एम्बुलेंस के लिए फोन लगाओ, पत्नी- हां लगाती हूं जल्दी अपने मोबाईल का पासवर्ड बताओ, पति- रहने दो अब थोडा ठीक लग रहा है।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बड़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बड़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ — कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन — आज धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह — कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या — रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नई योजना बनेगी।

वृश्चिक — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

धनु — जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर — किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन — आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहिद कपूर को पसंद नहीं हैं 'कबीर सिंह' जैसे लड़के

साल 2019 में शाहिद कपूर की फिल्म कबीर सिंह रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय और किरदार दोनों को पसंद किया गया। हालांकि, इस अपने किरदार के चलते अभिनेता को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके यह फिल्म साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। अब अपने इस किरदार को लेकर अभिनेता ने खुलकर चर्चा की है। अभिनेता ने इस तरह का किरदार निभाने को लेकर खुलकर चर्चा की। अभिनेता ने कहा कि वह भले ही फिल्म में किए गए काम को स्वीकार ना करें, लेकिन कबीर सिंह जैसे किरदार असल जिंदगी में भी मौजूद हैं। इस बातचीत के दौरान शाहिद कपूर ने कहा, यह वास्तव में मेरे बारे में नहीं है कि मैं कौन हूं। यह इस बारे में है कि हम सभी क्या हो सकते हैं? हम सभी क्या बनना चाहते हैं? आपको उससे सीखना चाहिए और आप ऐसी फिल्में नहीं बना सकते जो कभी भी जीवन में हो रही चीजों को प्रदर्शित ना करें। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि कबीर ने जो कुछ भी किया वह बिल्कुल भी स्वीकार्य था। मैं ऐसे लड़के को स्वीकार नहीं करूंगा, लेकिन क्या ऐसे लड़के होते हैं? क्या ऐसी लड़कियां ऐसे लड़कों से प्यार करती हैं? हां, वह करती हैं! तो हम इस पर एक फिल्म क्यों नहीं बना सकते? आप चले जाते हैं, आप तय करते हैं कि आपको क्या पसंद है और क्या नहीं। यह वास्तव में एक दर्शक के रूप में आप पर निर्भर करता है। फिल्म 'कबीर सिंह' में शाहिद कपूर ने एक आक्रामक प्रेमी की भूमिका निभाई थी। उनके साथ कियारा आडवाणी ने स्क्रीन साझा किया था। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। वहीं, शाहिद को आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ कृति सेनन थीं। उनके आगामी कार्यों की बात करें तो वह अगली बार फिल्म 'देवा' में दिखाई देंगे, जो 31 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'पुष्पा-2' ने एडवांस बुकिंग में ही बटोर डाले 100 करोड़

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पाः द रूल आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। बड़े पर्दे पर आने से पहले यह फिल्म एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ चुकी है। पहले दिन की प्री-बुकिंग से ही फिल्म ने 100 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

इस बड़ी उपलब्धि का एलान सोशल मीडिया के माध्यम से किया गया, जहां निर्माताओं ने खुशी जाहिर करते हुए पोस्ट साझा किया। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, पुष्पा 2 द रूल ने 100 करोड़ का आंकड़ा एडवांस बुकिंग में पार किया। भारत की सबसे बड़ी फिल्म रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है।

इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज हो गई, जिसमें हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम शामिल हैं। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कुल लागत करीब 400 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जो इसे एक महंगी और बड़े बजट की फिल्म बनाती है।

पहला भाग रहा था जबर्दस्त हिट

पुष्पाः द रूल का पहला भाग पुष्पाः द राइज (2021) भी सुपरहिट रहा था। फिल्म ने टिकट खिड़की पर 267 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। केवल हिंदी संस्करण ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर अल्लू अर्जुन को पैन इंडिया स्टार के रूप में स्थापित कर दिया था। अब इसके दूसरे भाग से भी दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं।

बॉलीवुड | मसाला

दिग्गजों का अनुमान है कि पुष्पा 2 शाहरुख खान की जवान और यश की केजीएफः चैप्टर 2 जैसे ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पार कर नए रिकॉर्ड स्थापित कर सकती है।

फिर 'रेड' मारने को तैयार हैं अजय देवगन

सिंघम अगेन की रिलीज के बाद, बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अपनी एक और फिल्म का सीक्वेल लेकर आ रहे हैं। अजय देवगन ने अपनी नई फिल्म रेड-2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर करके दी है। इससे पहले फिल्म के नवंबर 2024 में रिलीज होने की खबर थी, लेकिन फिल्म पोस्टपोन हो गई थी। अब उनकी फिल्म 1 मई 2025 को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है।

साल 2018 में आई अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म रेड लोगों को काफी पसंद आई थी। लोगों को फिल्म की कहानी काफी अच्छी लगी थी। फिल्म में दिखाया गया सस्पेंस और ड्रामा दर्शकों को उनकी सीट से बांधे रखा था। अब साल 2025 में अजय देवगन फिर से रेड मारने वाले हैं लेकिन इस बार उनके साथ एक्टर रितेश देशमुख शामिल हैं। फिल्म रेड 2 में रितेश मेन विलन का रोल निभाएंगे और फिल्म में अजय देवगन के साथ फीमेल लीड में एक्ट्रेस वाणी कपूर होंगी। इस फिल्म को डायरेक्ट पहली रेड फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता ने किया है।

अजय देवगन ने पिछले कुछ समय में अपनी कई सारी फिल्मों की सीक्वेल किया है। दृश्यम 2 और सिंघम अगेन की सफलता के बाद, अजय देवगन की चार और फिल्में आने वाली हैं जो उन्हीं की फिल्म का सीक्वेल होगा। साल 2025 में रेड 2 के अलावा, वो अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग में भी लगे हुए हैं। इसके अलावा वो दे दे प्यार दे 2 और गोलमाल 5 पर भी बहुत जल्द काम शुरू करने वाले हैं।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है माता रानी का चमत्कारी मंदिर

इस गांव में चोर आने पर आवाज लगाकर लोगों को सतर्क कर देती थीं माता रानी

दौसा। दौसा जिले अपने धार्मिक स्थल और उनसे जुड़ी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं। हम आज आपको एक ऐसी कहानी बता रहे हैं जहां पहले माता रानी आवाज दिया करती थी और आवाज देते-देते अचानक ऐसा चमत्कार हुआ की अब वहां पूजा होने लगी है। बहरावंडा में मंदिर के नए भवन के निर्माण के साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है।

पुजारी कांजी बताते हैं कि जब गांव में चोर चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए आते थे तो पहले ही माता रानी आवाज लगा देती थी। इससे गांव में चोरी होने का कोई डर नहीं हुआ करता था। पहले यह माता जी बहुत ही चमत्कारी हुआ करती थी और गांव की सीमा में चोरों के प्रवेश करते ही आवाज लगा देने से लोग सतर्क हो जाया करते थे।

पुजारी कांजी बताते हैं कि जब पहले गांव में चोर प्रवेश कर जाते थे तो माता रानी आवाज लगाती थीं। लेकिन एक दिन

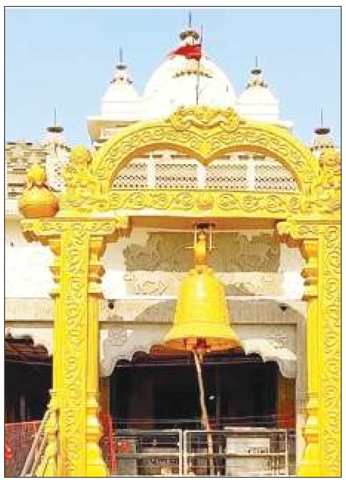

चोरों ने माता की मूर्ति को ही उखाड़ कर कुएं में डाल दिया। इसके बाद से माताजी का आवाज देना बंद हो गया और उसके बाद से माता जी की पीठ की पूजा होने लगी। आज भी माता जी की मंदिर में पीठ की ही पूजा होती है।

लोगों ने मुताबिक पहले यह मंदिर बहुत छोटा सा हुआ करता था लेकिन माता के चमत्कार के कारण मंदिर का भी विकास हुआ है। माता ने अनेक श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण की है। इससे खुश होकर श्रद्धालुओं के द्वारा मंदिर का निर्माण करवाया गया है। अलवर जिले के एक परिवार की मनोकामना पूर्ण होने पर उसी परिवार के द्वारा इस मंदिर का निर्माण करवाया गया है।

स्थानीय निवासी मिट्ठू सैनी सहित अन्य लोगों ने बताया कि मंदिर आकार जो भी श्रद्धालु अपनी अंतरात्मा से मनोकामना करता है तो माताजी उन्हें पूर्ण करती हैं। इसके चलते अब माता के मंदिर पर दूर-दूर से श्रद्धालु भी पहुंचते हैं और अपनी अर्जी लगाते हैं। कुछ ही दिनों में माता के आशीर्वाद से उनका काम बनने लगता है जिसके चलते माता की महिमा भी बढ़ती जा रही है।

जापान में गाड़ियों पर क्यों चिपकाते हैं ये रंगीन स्टिकर, क्या होता है मतलब?

दुनिया में हर देश के अपने अलग-अलग नियम हैं। ट्रैफिक नियमों की ही सिर्फ बात करें तो वो भी आपको एक दूसरे से काफी भिन्न नजर आएंगे। कहीं पर बाईं ओर गाड़ी चलाई जाती है तो कहीं पर दाईं ओर। स्पीड लिमिट से लेकर ओवरटेक करने के तरीकों तक में बदलाव हैं। जापान जैसे विकसित देश के भी नियम काफी अलग और अनोखे हैं। अगर कभी आप जापान गए और आपको वहां की गाड़ियों में ऐसा स्टिकर देखने को मिला, जैसा तस्वीर में आप देख रहे हैं, तो आपको तुरंत सतर्क हो जाने की जरूरत है। जब आप इस स्टिकर का मतलब जानेंगे तो यही कहेंगे कि इसका इस्तेमाल भारत में भी होना चाहिए।

जापान में गाड़ी चलाने के दौरान लोगों को अक्सर गाड़ियों में ऐसे रंगीन स्टिकर लगे नजर आते हैं। ये स्टिकर बड़े काम के होते हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट @allstarsteven पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें इस स्टिकर के बारे में ज्यादा जानकारी दी गई है। इससे पहले हम आपको इस स्टिकर के बारे में रोचक फैक्ट बताएं, क्या आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि ये किस काम आता है?

चलिए हम आपके लिए इस रहस्य से पर्दा उठा देते हैं। इस निशान को कोरीशा मार्क कहते हैं। 1997 से लेकर 2011 तक ये निशान एक बूंद की तरह नारंगी और पीले रंग का था। पर 2011 में इसका आकार बदला गया और इसमें लाल, हरा और पीले रंग इस्तेमाल किया गया। निशान ये दर्शाता है कि कार को 70 साल से ऊपर के बुजुर्ग व्यक्ति चला रहे हैं। इसे उम्रदराज ड्राइवरों के साइन के तौर पर जाना जाता है। नियम ये है कि 70 साल या उससे ऊपर के ड्राइवरों को अपनी गाड़ी में आगे और पीछे ये स्टिकर लगाना पड़ता है, जिससे दूसरे ड्राइवरों को पता रहे कि गाड़ी कोई बुजुर्ग चला रहा है, तो वो भी सावधानी से चलाएं, ओवरटेक करें और धैर्य बनाए रखें।

पंजाबियों को बदनाम करने की हो रही साजिश : केजरीवाल

» पूर्व सीएम ने विधानसभा में भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सुखबीर बादल पर हमले की निंदा की और कहा कि एक बड़ी त्रासदी को टालने के लिए पंजाब पुलिस प्रशंसा की पात्र है। यह पंजाब एवं पंजाबियों को बदनाम करने की बड़ी शक्तियों की साजिश है। बादल पर हमले को लेकर केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में कहा। भाजपा पंजाब में कानून व्यवस्था का मुद्दा उठा रही है लेकिन वह दिल्ली में हो रही हत्याओं, दुष्कर्म और गोलीबारी की घटनाओं पर चुप है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा,पंजाब पुलिस की सतर्कता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं।

मैं इस घटना की निंदा करता हूं लेकिन एक बात साफ है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश रची जा रही है और इसके पीछे कई बड़ी ताकतें शामिल हैं। आज जिस तरह से पंजाब पुलिस ने न सिर्फ इस घटना को रोका बल्कि पूरे देश के सामने एक उदाहरण पेश किया कि कैसे सतर्कता के साथ कानून व्यवस्था को बनाए रखा जा सकता है। गृह मंत्री अमित शाह को दिल्ली की चिंता नहीं है। आज सुबह दिल्ली में ट्रिपल मर्डर हुआ है। मैं पूछना चाहतू हूं कि क्या एक आम आदमी की सुरक्षा मायने नहीं रखती। मैं भाजपा को कहना चाहता हूं कि आप चाहे मेरे ऊपर कितने भी हमले कर लो। मैं दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था का मुद्दा उठाता रहूंगा। केजरीवाल ने कहा कि जब से अमित शाह देश के गृह मंत्री बने हैं और उन्होंने दिल्ली की कानून व्यवस्था को संभाला है, तब से पूरी दिल्ली की कानून व्यवस्था लगभग खत्म हो चुकी है। मैं काफी समय तक चुप रहा क्योंकि मैं इसपर राजनीति नहीं करना चाहता था।

दिल्ली विस अध्यक्ष ने की संन्यास की घोषणा

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और आप विधायक राम निवास गोयल ने गुरुवार को चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने आम आमदी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि वह अब अपनी उम्र के कारण चुनावी राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। हालांकि वह पार्टी के कार्यों में आगे भी सहभागिता जारी रखना चाहते हैं।

भाजपा को फिर बड़ा झटका, बड़े नेता प्रवेश रत्न आप में शामिल

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। एक बार फिर भाजपा को दिल्ली में आप ने बड़ा झटका दिया है। अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर जाटव समाज के बड़े नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मनीष सिसोदिया ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आप के बड़े नेता मनीष सिसोदिया ने प्रवेश रत्न के आप में शामिल होने पर कहा कि समस्त जाटव समाज आम आदमी पार्टी के साथ है। आप सरकार के कामों से जाटव, दलित और एससी समाज के परिवारों को काफी लाभ हुआ है। उनकी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। आज अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर भाजपा नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। मैं उनका स्वागत करता हूं। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद प्रवेश रत्न ने कहा कि केजरीवाल की छह रेवड़ियों से जाटव समाज को लाभ हुआ है।

मेरे नाम का अकालियों को फोबिया : रंधावा

» कांग्रेस सांसद बोले- चीमा पर करूंगा मानहानि का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। गोल्डन टेंपल अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने की घटना के बाद पंजाब कांग्रेस सांसद का नाम भी जुड़ रहा है। आरोपी नारायण सिंह चौड़ा डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। शिअद ने आरोप लगाया है कि सुखबीर पर गोली चलाने वाले आरोपी के भाई का कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ संबंध हैं। इसलिए रंधावा का नाम बुधवार को हुई इस घटना के साथ जोड़ा जा रहा है। वहीं, रंधावा ने इस मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। रंधावा ने कहा कि सुखबीर बादल पर दरबार साहिब में हमला होना बहुत गलत है निंदनीय है। जो हमला हुआ है वह ऐसी जगह हुआ है जहां हर सिख जाता है।

गुरु घर में ऐसा हमला होने से सिखों के लिए पूरी दुनिया में गलत संदेश गया है। रंधावा ने कहा कि शिअद नेताओं को सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम से डर (फोबिया) लगता है। रंधावा ने कहा कि दलजीत चीमा ने जो आरोप लगाए हैं, पहले तो चीमा की ही जांच होनी चाहिए। मैंने बताया है कि आरोपी का भाई 1997 से सरपंच है। उसका भाई मेरा चेयरमैन भी रहा है। अगर ऐसा कुछ था तो एनआईए ने उसे आज तक क्यों नहीं उठाया। उससे पूछताछ क्यों नहीं की गई। सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि आरोपी नारायण सिंह चौड़ा एंटी नेशनल एक्टिविटी में शामिल रहा है। उसकी कोई जांच पहले क्यों नहीं की गई। क्योंकि वह कहां-कहां घूम रहा है। वह डेरा बाबा नानक से अमृतसर पहुंच गया इंटेलिजेंस को इसका पता नहीं चला। चौड़ा कई बार जेल गया।

नगर निगम की नोटिस को ठेंगा दिखा रहे दुकानदार

» लालबाग में अब भी बीच सड़क पर हो रहा कार डेकोरेशन और मरम्मत का काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने लालबाग क्षेत्र में कार डेकोरेशन और मरम्मत का काम करने वाले दुकानदारों की दुकानों के सामने नोटिस लगा रखा है कि आप सड़क पर कार रिपेयर नहीं कर सकते, लेकिन इसके बावजूद तमाम दुकानदार सड़क पर ही कार रिपेयर करते हैं। एक के पीछे एक वाहन खड़ा कर कार रिपेयर करने का काम अभी भी जारी है। नगर निगम ने झंडी वाला पार्क के बाहर 10 फीट की सड़क पर बैरिकेडिंग लगा रखी है ताकि लोग वहां अपनी कार पार्क न कर सकें।

लेकिन इसके बाद लोगों ने बैरिकेडिंग के सामने ही अपनी गाड़ियां पार्क करनी शुरू कर दीं। इससे सड़क संकरी हो गई है और वहां हर समय जाम लगा रहता है। यातायात विभाग ने डिवाइडर के दोनों तरफ पार्किंग एरिया में वाहन खड़े करने का नया तरीका ढूंढ निकाला है, लेकिन खड़े वाहनों का कभी चालान नहीं होता और न ही इन वाहनों को क्रेन से उठाया जाता है।

अपने मंत्री की बात सुने भाजपा : डोटासरा

» किरोड़ी लाल के परीक्षार्थियों को पुलिस से छुड़वाने के बाद राजस्थान में सियासी बयानबाजी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस की रिपोर्ट पर किरोड़ी लाल मीणा के दावे और आधी रात को पुलिस द्वारा एसआई परीक्षार्थियों को गिरफ्तार करने के बाद किरोड़ी लाल का परीक्षार्थियों को पुलिस से छुड़वाने के बाद राजस्थान में सियासी बयानबाजी तेज हो गई हैं, कांग्रेस ने कहा है कि सरकार किरोड़ी लाल मीणा के बात सुने, वो उनके कैबिनेट मंत्री हैं।

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि एक कैबिनेट मंत्री एक राज्य मंत्री के पास जा कर गुहार लगा रहा है, यह सरकार के लिए शर्मनाक बात है, एक कैबिनेट मंत्री रात में युवाओं को पुलिस के चुंगल से छुड़ा रहे हैं, अगर उन्होंने कुछ गलत किया तो राजकार्य में बाधा डालने के लिए किरोड़ी पर मामला दर्ज हो और अगर पुलिस गलत है तो पुलिस के खिलाफ एक्शन होना चाहिए। डोटासरा ने कहा कि एक कहावत है कि कबूतर आंख मीच ले तो बिल्ली उसे छोड़ देगी, ऐसे ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आंखें बंद किये हुए हैं। उन्हें लगता है कि वो इस सारे मामले में आंखें बंद करके सोच रहे हैं कि सारी समस्याएं हल हो जायेंगीं, लेकिन यह उनकी गलतफहमी है।

भाजपा सरकार युवा विरोधी : टीकाराम जूली

इससे पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर किरोड़ी लाल मीणा का समर्थन किया है, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि जयपुर में पुलिस द्वारा पढ़ाई कर रहे युवाओं को आधी रात में गिरफ्तार करना एक घोर निंदनीय और अलोकतांत्रिक कृत्य है,यह घटना भाजपा सरकार की युवा विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता को उजागर करती है। जूली ने कहा, यह घटना बताती है कि प्रदेश की भाजपा सरकार और पुलिस अब जनता के प्रति जवाबदेह नहीं रह गई है,यह सिर्फ छात्रों पर अन्याय नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है, भाजपा सरकार सत्ता के नशे में यह भूल गई है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता।

कल सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

» अंडर-19 एशिया कप

यूएई को 10 विकेट से रौंदा, वैभव सूर्यवंशी ने बनाये 46 गेंद में 76 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शारजाह। अंडर-19 एशिया कप में बुधवार को शारजाह में भारत का सामना यूएई से हुआ। इस मैच को टीम इंडिया ने 10 विकेट से अपने नाम किया। जीत के लिए मिले 138 रन के लक्ष्य को भारत ने 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। 13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 46 गेंद में 76 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इसके अलावा आयुष म्हात्रे ने 51 गेंद में 67 रन बनाए। इस जीत के साथ टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है। छह दिसंबर को दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाने हैं।

यह मैच शुक्रवार को भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े 10 बजे से खेला जाएगा। भारतीय टीम ग्रुप ए में फिलहाल शीर्ष स्थान पर है। उसके तीन मैचों में चार अंक हैं और उसका नेट रन रेट +2.558 है। वहीं, पाकिस्तान की टीम दो मैचों में दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर है। ग्रूप बी से श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम क्वालिफाई कर चुकी है। ग्रूप ए से क्वालिफाई करने वाली दूसरी टीम बांग्लादेश से दुबई में भिड़ेगी। फाइनल आठ दिसंबर को दुबई अंतराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई की टीम 44 ओवर में 137 रन पर सिमट गई थी। आर्यन सक्सेना नौ रन और अक्षत राय 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। भारत की ओर से युद्धाजीत गुहा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं, चेतन शर्मा और हार्दिक राज को दो-दो विकेट मिले। केपी कार्तिकेय और आयुष म्हात्रे को एक-एक विकेट मिला।

आईसीसी रैंकिंग में बुमराह की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतकीय पारी के बावजूद यशस्वी जायसवाल को ताजा टेस्ट रैंकिंग में नुकसान हुआ है। उनके अलावा विराट कोहली को भी झटका लगा है। अब वह एक स्थान के नुकसान के साथ 14वें पायदान पर पहंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत बरकरार है। वह 883 रेटिंग प्वॉइट्स के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके अलावा शीर्ष 10 में रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं, किंग कोहली 689 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ 14वें नंबर पर पहुंच गए। वहीं ऋषभ पंत 736 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ छठे पायदान पर काबिज हैं।

हेमंत सोरेन ने किया कैबिनेट विस्तार 11 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। हेमंत सोरेन सरकार का आज मंत्रिमंडल विस्तार हो रहा है, फिलहाल शपथ समारोह चल रहा है। शपथ समारोह में 11 मंत्री शपथ ले रहे हैं। कांग्रेस विधायक राधा कृष्ण किशोर, झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक दीपक बिरुआ और झामुमो विधायक चमरा लिंडा ने राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में मंत्री पद की शपथ ग्रहण की।

चमरा लिंडादीपक, बिरुआराधा कृष्ण,किशोर संजय प्रसाद, यादवरामदास, सोरेन इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडे सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार, शिल्पी नेता तिर्की मंत्री बनाए गए हैं। कांग्रेस की ओर से मंत्रियों के नाम तय ना हो पाने से कैबिनेट का विस्तार अटका हुआ था। लेकिन अब सरकार में भागीदारी का समीकरण साफ हो गया है। उसके बाद ये शपथ

समारोह हो रहा है।

इससे पहले झामुमो के वरिष्ठ विधायक स्टीफन मरांडी को कैबिनेट की पहली बैठक के दौरान 28 नवंबर को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जा चुका है। जब तक नियमित स्पीकर नहीं चुने जाते तब तक वे सदन की कार्यवाही का संचालन करेंगे। वहीं आज स्टीफन मरांडी के शपथ लेने के बाद ही विधायक मंत्री पद की गोपनीयता की शपथ लेंगे। कैबिनेट बैठक के दौरान 9 से 12 दिसंबर तक विधानसभा सत्र आहूत करने का निर्णय लिया गया है।

बता दें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत दर्ज की है। इंडिया गठंधन में शामिल झामुमो ने 34, कांग्रेस ने 16 और आरजेडी ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की है।

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस, शपथ ग्रहण से पहले लिया बप्पा का आशीर्वाद

महाराष्ट्र के मनोनीत मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने अपने शपथ ग्रहण समारोह से पहले आज श्री सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले एक दिन पहले महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को लेकर जारी सस्पेंस पर आखिरकार विराम लग गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया। आज वे सीएम पद की शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी शिरकत करेंगे। शिवसेना विधायक दीपक केसरकर ने कहा, हम सभी विधायक कल एकत्रित हुए और उनसे (एकनाथ शिंदे) मिले और हम सभी ने उनसे अनुरोध किया कि उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल होना चाहिए, उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करना चाहिए, उन्होंने इस पर सकारात्मक रूप से सोचने पर सहमति व्यक्त की है, भले ही हमारी पार्टियां अलग हैं, हमारी सोच, सिद्धांत समान हैं, हमारे लिए भी नेता प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। हमारे सर्वोच्च नेता एकनाथ शिंदे हैं लेकिन उनसे ऊपर हम प्रधानमंत्री मोदी और एकनाथ शिंदे का नेतृत्व स्वीकार करते हैं,आज मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री शपथ लेंगे।

कुलदीप सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उन्नाव रेप कांड मामले में जेल में बंद भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को कोर्ट ने सेंगर की अंतरिम जमानत मंजूर कर दी है। सेंगर को मेडिकल आधार पर दो हफ्ते की अंतरिम जमानत दी गई है।

गौरतलब है, भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर साल 2017 में उन्नाव में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था।

साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये देने का भी आदेश दिया था। रेप कांड की पीड़िता, परिवार के सदस्यों और उसके वकीलों को सीआरपीएफ की सुरक्षा दी गई है। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने कोर्ट का रुख किया था। जिस पर अदालत ने बीते सितंबर महीने में केंद्र की याचिका पर पीड़िता और उसके परिवार से जवाब मांगा था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से मिलेगी राहत!

» एकल पीठ के आदेश के खिलाफ की थी अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अपील पर गुरुवार को राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है।

दरअसल, सिद्धारमैया ने मुडा साइट आवंटन घोटाले में उनके खिलाफ जांच को मंजूरी देने के राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखने के एकल न्यायाधीश पीठ के आदेश को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया और न्यायमूर्ति के वी अरविंद की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 जनवरी की तारीख तय की।

भगत सिंह को दिया जाए भारत रत्न : चड्ढा

» आप सांसद ने संसद में सरकार से की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सर्वोच्च बलिदान और योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की गई है। उन्होंने संसद में सरकार से आग्रह किया कि देश की आजादी में भगत सिंह के बलिदान और योगदान को याद करते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

संसद में अपने भाषण के दौरान, आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा,भगत सिंह ने अपनी युवावस्था, सपने और जीवन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया। उनकी शहादत के 93 साल बाद भी, हमने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। राघव चड्ढा ने कहा कि महज 23 साल की उम्र में उन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनके साहस ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी और पीढ़ियों को आजादी के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका सम्मान करना न केवल उनके बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि होगी, बल्कि इससे देश का उत्थान भी होगा।

निशान-ए-इंकलाब युवाओं में भरेगा जोश : भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अत्याधुनिक निशान-ए-इंकलाब प्लाजा शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन और दर्शन को कायम रखते हुए युवाओं को राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करेगा। एयरपोर्ट रोड पर एक प्रतिष्ठित शहीद की 30 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा वाले प्लाजा को लोगों को समर्पित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महान शहीद को केवल उनके शहादत दिवस (23 मार्च) या जन्मदिन (सितंबर) पर ही याद नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित शहीद को हर पल याद किया जाना चाहिए।

'दलगत राजनीति से हटकर आपदाओं से निपटा जाए'

» गृह मंत्री अमित शाह से मिलीं वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी

» भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए मांगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि केंद्र सरकार दलगत राजनीति से परे हटकर राज्यों में हुए त्रासदियों से निपटने के लिए मदद करे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केरल के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

प्रियंका गांधी ने मुलाकात के दौरान केंद्र सरकार से वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने गृह मंत्री से आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के साथ क्षेत्र में आवश्यक बुनियादी ढांचा बहाल करने का भी अनुरोध किया। प्रियंका गांधी ने गृह मंत्री से आपदा की गंभीरता को देखते हुए पुनर्वास प्रयासों के लिए आवश्यक धनराशि जारी करने पर तत्काल विचार करने का आग्रह किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा,प्रतिनिधिमंडल ने विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के बाद वायनाड की जमीनी हकीकत को गृह मंत्री अमित शाह को अवगत कराया। इस भूस्खलन में एक बड़ा क्षेत्र प्रभावित हुआ है और कई लोग मारे गए हैं। कुछ परिवार पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं।

पीएम के दौरे के चार महीने बाद भी नहीं मिली राहत

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आपदा प्रभावित इलाकों के दौरे के बाद लोगों में उम्मीद जगी है कि उन्हें केंद्रीय सहायता मिल सकती है, लेकिन चार महीने बाद भी उन्हें केंद्र से कोई राहत नहीं मिली है. प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री के अलावा प्रधानमंत्री को भी ज्ञापन दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री से पक्षपातपूर्ण राजनीति से ऊपर उठकर वास्तव में उस दर्द और पीड़ा को महसूस करने का आग्रह किया जिससे वायनाड के लोग गुजरे है। कई ऐसे बच्चे है, जिनके सिर से परिवार का साया पूरी तरह उठ गया है। अगर वे भारत सरकार के पास नहीं जा सकते तो वे किससे संपर्क कर सकते हैं।

गृहमंत्री शाह लोगों का दर्द महसूस करें

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।